भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 240
05 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: राष्ट्रीय श्रीअन्न (मिलेट) बोर्ड की स्थापना

***240. श्री गणेश सिंहः**

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का श्रीअन्न (मिलेट) के उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन और निर्यात के लिए संस्थागत सहायता प्रदान करने हेतु एक पृथक राष्ट्रीय श्रीअन्न (मिलेट) बोर्ड की स्थापना का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त बोर्ड की संभावित संरचना, इसका कार्यक्षेत्र, वित्तपोषण तंत्र और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्टार्टअप और महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ समन्वय हेतु रूपरेखा क्या होगी;

(ग) क्या सरकार के पास श्रीअन्न (मिलेट) के वर्तमान उत्पादन, खपत और निर्यात के संबंध में कोई आधिकारिक आँकड़े हैं; और

(घ) क्या सरकार ने भारत को श्रीअन्न (मिलेट) के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश बनाने के लिए कोई दीर्घकालिक कार्यनीति बनाई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

“राष्ट्रीय श्रीअन्न (मिलेट) बोर्ड की स्थापना” के संदर्भ में लोक सभा में दिनांक 05.08.2025 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 240 के भाग (क) से (घ) तक के संबंध में उललिखित विवरण।

(क) एवं (ख): भारत सरकार ने मिलेट (श्री अन्न) के संवर्धन हेतु कई पहल की हैं। वर्तमान में, अलग से एक राष्ट्रीय मिलेट बोर्ड की स्थापना हेतु कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, देश में मिलेट उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) जैसे अपने कार्यक्रमों के माध्यम से मिलेट किसानों का व्यापक रूप से प्रोत्साहन और समर्थन करता है।

(ग): वर्ष 2024-25 (तृतीय अग्रिम अनुमान, डीईएस, डीएएफडब्ल्यू) के दौरान, देश में मिलेट (श्री अन्न) का समग्र उत्पादन 180.15 लाख टन हुआ है। वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न मिलेट्स के फसल-वार क्षेत्र, उत्पादन और उपज का विवरण **अनुबंध I** में दिया गया है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत ने 1.21 लाख मीट्रिक टन मिलेट का निर्यात किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान मिलेट के अंतर्गत फसल-वार निर्यात का विवरण **अनुबंध II** में दिया गया है।

(घ): भारत को मिलेट के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने हेतु, भारत सरकार ने मिलेट की घरेलू और वैश्विक मांग सृजित करने के लिए एक सक्रिय बहु-हितधारक सहभागिता दृष्टिकोण(एप्रोच) अपनाया है, जो जलवायु अनुकूल पोषक-अनाजों के उत्पादन, इसके उपभोग और ब्रांडिंग आदि को बढ़ाने की कार्यनीतियों पर बल देता है। इसका कार्यान्वयन केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, किसानों, स्टार्ट-अप्स, निर्यातकों, खुदरा व्यवसायों, होटलों, भारतीय दूतावासों आदि को शामिल करते हुए किया जाता है। 70 से अधिक देशों का समर्थन प्राप्त भारत के एक प्रस्ताव के अनुसरण में यूनाइटेड नेशन जनरल एसेम्बली मार्च, 2021 में अपने 75वें सत्र के दौरान वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया। पूरे वर्ष आयोजित इस उत्सव द्वारा श्री अन्न के सेवन से पोषण और स्वास्थ्य लाभ के विषय में जानकारी दी गई तथा प्रतिकूल एवं बदलती जलवायु परिस्थितियों में मिलेट की खेती की उपयुक्तता के संबंध में जागरूकता बढ़ी जिससे किसान लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त, भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम पद्धतियों, अनुसंधान और तकनीकों को साझा करने के लिए वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है। वैश्विक स्तर पर मिलेट पर अनुसंधान सहयोग और जन जागरूकता को मजबूत करने के लिए, जी20 प्रेसीडेंसी के दौरान एक नई पहल, "मिलेट और अन्य प्राचीन अनाज अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पहल (महर्षि)" को अपनाया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) देश में मिलेट (श्री अन्न) के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के तहत पोषक अनाज (श्री अन्न) उप-मिशन को कार्यान्वित कर रहा है। एनएफएसएनएम-पोषक अनाज के अंतर्गत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से किसानों को फसल उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों तथा फसल प्रणाली आधारित प्रदर्शनों, प्रमाणित बीजों के उत्पादन और वितरण, एकीकृत पोषक तत्व और कीट प्रबंधन उपायों, फसल प्रणाली आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण, कार्यक्रमों/कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए सहायता प्रदान की जा रही है; तथा एजेंसियों द्वारा राज्यों के माध्यम से बीजों के नई जारी किस्मों/हाईब्रिडों के बीज मिनीकिट भी वितरित किए जा रहे हैं।

अनुबंध।

वर्ष 2024-25 के दौरान मिलेट का क्षेत्र, उत्पादन और उपज का विवरण

क्र.सं.	**फसल**	**क्षेत्र (लाख हे. में)**	**उत्पादन (लाख टन में)**	**उपज (किग्रा/हेक्टेयर)**
1	ज्वार	39.84	48.80	1225
2	बाजरा	72.10	108.63	1507
3	रागी	12.29	18.34	1492
4	स्मॉल मिलेट	4.42	4.38	992
कुल मिलेट		**128.65**	**180.15**	**1400**

*स्रोत: तीसरा अग्रिम अनुमान, डीईएस, डीएएफडब्ल्यू

अनुबंध II

2024-25 के दौरान भारत से मिलेट के निर्यात का विवरण

क्र. सं.	**फसल**	**मात्रा (लाख मीट्रिक टन)**	**मूल्य (करोड़ रुपये में)**
1	ज्वार	0.38	155.07
2	बाजरा	0.56	192.71
3	रागी	0.19	65.45
4	स्मॉल मिलेट	0.09	89.12
	कुल मिलेट	**1.21**	**502.35**

*स्रोत: डीजीसीआईएस

******